PHILOSOPHY

Hons., Paper-VI (Part III)

Dr. S. K. Singh
Mob.-9431445[illegible]

आराजकतावाद बनाम साम्यवाद

→ **आधार:-**
आराजकतावाद का आधार व्यक्ति है। यह व्यक्ति की स्वतंत्रता एवं नैतिक विकास हेतु उसे समस्त राजकीय बंधनों व कानूनों से मुक्त करना चाहता है।

साम्यवाद का आधार समष्टि है। यह व्यक्ति की तुलना में समाज या समष्टि को प्राथमिकता प्रदान करता है।

→ **हित:-** आराजकतावादी मानववादी है। यहाँ मानव मात्र के हित की बात प्रमुख है। यह मानव-मात्र की स्वतंत्रता, कल्याण व उन्नति पर बल देता है।

साम्यवादी सर्वहारावर्ग के हित पर बल देता है। यह वर्तमान समाज में पूँजीवादी व सर्वहारा वर्ग के संघर्ष को अपरिहार्य मानकर एक संक्रमणकालीन व्यवस्था के रूप में सर्वहारा वर्ग की अधिनायकता/तानाशाही को स्थापित करना चाहता है।

→ **शत्रु:-** आराजकतावाद के लिये मुख्य शत्रु राज्य व गौण शत्रु पूंजीवाद है। ये राज्य को तत्काल समाप्त करने के पक्षधर हैं क्योंकि यह सभी बुराईयों की जड़ है।

साम्यवाद का मुख्य शत्रु पूँजीवाद व गौण शत्रु राज्य है। यह सर्वहारावर्ग के अधिनायकतंत्र या तानाशाही के रूप में राज्य को तब तक बनाये रखने के पक्षधर हैं जब तक कि पूँजीवाद व उसके सहायक

तत्वों को पूर्ण रूपेण समाप्त न कर दिया जाए।
(संक्रमणकालीन दौर के रूप में राज्य की व्यवस्था आवश्यक)

-> **उद्योग** :-> अराजकतावाद बड़े उद्योगों व व्यापक मशीनीकरण का विरोधी है। गाँधी कहते हैं कि इससे उपभोक्तावाद, साम्राज्यवाद व उपनिवेशवादी प्रवृत्ति का प्रसार होता है, व मनुष्य में यांत्रिकता का विकास होता है।

साम्यवाद आर्थिक उन्नति हेतु वृहद् उद्योगों एवं व्यापक मशीनीकरण की वकालत करता है।

-> **मानव प्रकृति** :- अराजकतावादी मनुष्य को स्वभावतः सहयोग, सहानुभूति एवं न्यायप्रिय भावनाओं से युक्त मानता है। ये नैतिकता के सार्वभौम व सनातन नियमों में आस्था रखता है।

साम्यवादी सहयोग के स्थान पर वर्ग-संघर्ष को सामाजिक विकास हेतु आवश्यक मानते हैं। इनके अनुसार न्याय व नैतिकता का स्थान सनातन नियम नहीं है। यह परिवर्तनशील होता है।

-> **स्वतंत्रता** :- अराजकतावादी वैयक्तिक स्वतंत्रता के हिमायती हैं जो जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू होती है।

साम्यवाद वैयक्तिक स्वतंत्रता के स्थान पर आर्थिक स्वतंत्रता पर विशेष बल देता है। उदाहरणार्थ- स्टालिन ने व्यापक पैमाने पर वैयक्तिक स्वतंत्रता व अधिकारों का हनन किया था।

-> **दर्शन** :- अराजकतावाद भौतिकवादी दर्शन व द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद को आत्मिक आडंबर मानता है।

साम्यवादी भौतिकवादी दर्शन व द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद में विश्वास करता है।

-> **साधन** :- अराजकतावाद साधन के रूप में शिक्षा और प्रचार तथा आवश्यक पड़ने पर हिंसात्मक क्रांति की स्थिति स्वीकार की गई है (क्रांतिकारी अराजकतावाद)।

साम्यवाद में साधन के रूप में हिंसा पर बल दिया गया है।

Scanned with CamScanner